हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 13 अंक : 19 | देहरादून, शनिवार, 06 जुलाई, 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 8

तुंगनाथ धाम में उमड़ा भक्तों का सैलाब
पहली बार पहुंचे रिकॉर्डतोड़ तीर्थयात्री
3

उत्तराखंड के 'हाउस ऑफ़ हिमालयाज़' ब्रांड की लॉन्चिंग सीएम धामी ने अमेजॉन इंडिया पर करी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 6,जुलाई मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में शुक्रवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड के अम्ब्रेला ब्रांड "हाउस ऑफ़ हिमालयाज़" एवं Amazon India के बीच एमओयू हस्तांतरित किया गया। इस अवसर मुख्यमंत्री ने अमेजॉन इंडिया के ई-मार्केटिंग पोर्टल पर "हाउस ऑफ़ हिमालयाज़" की विधिवत लांचिंग की। मुख्यमंत्री उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों की खरीदारी भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिसंबर माह में इन्वेस्टर समिट में "हाउस ऑफ़ हिमालयाज़" ब्रांड की लांचिंग की गई थी। उन्होंने कहा कि इस ब्रांड को लॉन्च करने का उद्देश्य प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर पहुँचाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि "हाउस ऑफ़ हिमालयाज़" ब्रांड में शामिल उत्पादों की प्रोसेसिंग और उत्पादन का अधिकांश कार्य स्वयं सहायता समूह के माध्यम से किया जाता है। जिससे महिला स्वयं सहायता समूहों की आजीविका को मज़बूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न ई-मार्केटिंग पोर्टल्स के माध्यम से प्रदेश के स्थानीय उत्पादों की देश और दुनिया के हर क्षेत्र से ऑनलाइन खरीदारी की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री ने सचिव ग्राम्य विकास को निर्देश दिये कि "हाउस ऑफ़ हिमालयाज़" ब्रांड के विभिन्न उत्पादों जैसे जीआई टैगिंग वाले उत्पाद, ऑर्गेनिक उत्पाद, खाद्य उत्पाद, सगंध उत्पाद को कैटेगराइज कर उनकी कैटेगरी वाइस ब्रांडिंग की जाये।

महासू मंदिर हनोल को बड़े धार्मिक केंद्र में स्थापित करने का लक्ष्य : सीएम धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 6 जुलाई,जनजातीय क्षेत्र जौनसार बाबर सहित महासू हनोल मंदिर परिक्षेत्र को एक बड़े धार्मिक स्थल के रूप में स्थापित करने के लिए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी संकल्पित है जिसको देखते हुए जौनसार बाबर के लोग मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार मुलाकात करने देहरादून पहुंचे। जौनसार बावर से आए हुए प्रतिनिधिमंडल ने सीएम धामी से कैंप कार्यालय में भेंट कर प्रदेश सरकार द्वारा महासू मंदिर, हनोल के सुनियोजित विकास के लिए मास्टर प्लान को मंजूरी प्रदान करने पर आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधि मंडल ने महासू देवता मंदिर की प्रतिकृति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देने पर भी प्रसन्नता व्यक्त की।मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि रहमारा प्रयास है कि महासू मंदिर हनोल का सुनियोजित विकास कर क्षेत्र को एक बहुत बड़े धार्मिक केंद्र के रूप में स्थापित करनाऔर युवाओं के लिए आर्थिकी के नए अवसरों का सृजन करना है।

सीडीओ कमठान ने ली मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान ने अपने कार्यालय कक्ष मा० मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना वर्ष 2024-25 के जनपद में क्रियान्वयन के सम्बन्ध में बैठक लेते हुए सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी ने निर्देश दिए खेल प्रतिस्पर्धाओं में स्कूली बच्चों का प्रतिभाग कराने हेतु सम्बन्धित स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को निर्देशित करते हुए योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने जिला क्रीड़ा अधिकारी को निर्देशित किया किया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सम्बन्धित विभागों से समन्वय करते हुए रूपरेखा के अनुरूप कार्यक्रम संचालन के निर्देश दिए। उन्होंने अपर मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि कार्यक्रम के कार्यक्रम स्थलों पर चिकित्सक, एम्बुलेंस आदि व्यवस्थाएं रखने के निर्देश दिएं।

मा० मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के अन्तर्गत जनपद देहरादून के 8 वर्ष से 14 वर्ष तक (08 से 09 वर्ष, 09 से 10 वर्ष, 10 से 11 वर्ष, 11 से 12 वर्ष, 12 से 13 वर्ष एवं 13 से 14 वर्ष) आयु के प्रत्येक आयु वर्ग से 25 बालक एवं 25 बालिका खिलाड़ी इस प्रकार 300 उदीयमान खिलाड़ियों (150 बालक एवं 150 बालिकाओं) को रू० 1500/- प्रतिमाह / प्रति सदस्य की दर से छात्रवृत्ति के रूप में दिये जाने हेतु विभिन्न स्तरों में आयोजित होने वाले चयन ट्रायल्स की निर्धारित किए गए हैं।

खेल छात्रवृत्ति योजना हेतु ऐसे बालक एवं बालिका पात्र होंगे जिनकी आयु 08 से 14 वर्ष के मध्य होगी एवं उत्तराखण्ड राज्य के स्थाई निवासी होंगे। आयु की गणना चयनित वर्ष 01 जुलाई, 2024 से की जायेगी अर्थात किसी भी आयु वर्ग में सम्मिलित होने के लिये बालक एवं बालिका का जन्म 01 जुलाई या उसके बाद का होना चाहिए। चयन ट्रायल्स की प्रक्रिया बैटरी टैस्ट (पीसैट) के आधार पर सम्पन्न की जायेगी। 30 मी० फ्लाईंग स्टार्ट (2) 6×10 मी० शटल रन (3) 600 मी० रन (4) स्टेण्डिंग ब्राड जम्प मेडिसन बॉल थ्रो (6) फॉरवर्ड बैंड रीच न्याय पंचायत स्तरीय चयन ट्रायल में सम्बन्धित न्याय पंचायतों के समस्त विद्यालयों से प्रत्येक आयु वर्ग में 02 बालक एवं 02 बालिका प्रतिभाग करेंगे।

IIT को टक्कर देता है यह कॉलेज!

एक करोड़ से अधिक का मिलता है पैकेज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जुलाई : अक्सर देखा गया है कि अच्छी सैलरी पैकेज की चाहत रखने वाले युवा आईआईटी और आईआईएम से पढ़ाई करने का सपना देखते हैं. इस सपने को पूरा करने के लिए युवाओं को जेईई मेन, एडवांस्ड और कैट की परीक्षा को पास करना होता है. युवाओं को जेईई मेन और एडवांस्ड के पास करने के बाद ही आईआईटी में दाखिला मिलता है. आपको एक ऐसे ही कॉलेज के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां जेईई मेन के माध्यम से एडमिशन मिलता है. अगर आपका यहां एडमिशन मिल जाता है, तो लाइफ सेट मानी जाती है. यहां प्लेसमेंट के जरिए पिछले साल एक छात्र को 1.35 करोड़ रुपये सैलरी पैकेज का ऑफर मिला था. हम जिस कॉलेज की बात कर रहे हैं, उसका नाम मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNNIT), इलाहाबाद है।

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNNIT), इलाहाबाद के छात्र को पिछले साल रिकॉर्ड हाई-ब्रेकिंग पैकेज मिला था. इस छात्र का नाम रुथविक मान्यम हैं. वह मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNNIT), इलाहाबाद के पूर्व छात्र हैं. रुथविक को कथित तौर पर पिछले साल अमेरिका स्थित एक फर्म से 1.35 करोड़ रुपये की नौकरी का ऑफर मिला था. वह जुलाई वर्ष 2023 से सैन जोस (अमेरिका) में A10 नेटवर्क्स में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम कर रहे हैं. रुथविक सिस्टम और प्लेटफॉर्म टीम में हैं.

रुथविक के लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार वर्ष 2019 से 2023 तक कंप्यूटर साइंस में बी.टेक की पढ़ाई पूरी की हैं. उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा केंद्रीय विद्यालय (KV), बेंगलुरु से पूरी की हैं. उन्होंने हाई स्कूल (कक्षा 10वीं) में 10.0 सीजीपीए और इंटरमीडिएट (कक्षा 12वीं) में 86.4 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण किया है. वह अपने स्कूली दिनों में स्पोर्ट्स में काफी एक्टिव थे।

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNNIT) में एडमिशन पाने के लिए उम्मीदवार को किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कम से कम 60% अंकों के साथ

कक्षा 12वीं (PCM) पास होना चाहिए। उम्मीदवार जो भी यहां बीटेक प्रोग्राम में एडमिशन लेना चाहते हैं, उनके पास जेईई मेन का स्कोरकार्ड होना चाहिए. इसके बाद उन्हें सीट अलॉटमेंट जोसा काउंसलिंग प्रक्रिया से गुजरना होता है।

Bank Holiday : जुलाई में इतने दिन रहेगी बैंकों की छुट्टी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जुलाई : गुरु हरगोविंद सिंह जी की जयंती के मौके पर कुछ जगहों पर बैंक बंद रहने वाले हैं. यदि आपको बैंक जाना है, तो पहले चेक कर लें कि आपके शहर में बैंक खुला है या नहीं. आप RBI की वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर बैंक छुट्टियों की सूची देख सकते हैं. यहां हम आपको बैंकों की छुट्टी से जुड़ी जानकारी देने जा रहे हैं।

बता दें कि गुरु हरगोविंद सिंह जी की जयंती के चलते जम्मू और कश्मीर के कुछ हिस्सों, खासकर श्रीनगर में बैंक बंद रहेंगे. इसके अलावा 6 जुलाई 2024 को शनिवार के दिन MHIP Day के मौके पर आइजोल में बैंक बंद रहेंगे. वहीं, 7 जुलाई 2024 को रविवार के चलते देश भर में बैंकों की छुट्टी रहेगी।

बैंक बंद रहने का अगले हफ्ते भी जारी रहेगा. कुछ राज्यों में आगामी 8 और 9 जुलाई (सोमवार और मंगलवार) को भी बैंक बंद रहेंगे. इसके अलावा, साप्ताहिक छुट्टियों के तहत 13 और 14 जुलाई (शनिवार और रविवार) को भी बैंक बंद रहेंगे. इन सात दिनों में से चार दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा। चलिए आपको बताते हैं कि जुलाई महीने में कब-कब बैंकों की छुट्टियां (July Holiday 2024) रहने वाली हैं.

8 जुलाई 2024: कांग-रथयात्रा (Kang Rathajatra) के मौके पर इंफाल में बैंक बंद रहेंगे.9 जुलाई 2024: द्रुक्पा त्से-जी (Drukpa Tshe-zi) के मौके पर गंगटोक में बैंक बंद रहेंगे.13 जुलाई 2024: महीने के दूसरे शनिवार के चलते देश भर में बैंकों की छुट्टी रहेगी.14 जुलाई 2024: रविवार के चलते देश भर में बैंकों की छुट्टी रहेगी.16 जुलाई 2024: हरेला (Harela) के मौके पर देहरादून में बैंक बंद रहेंगे.17 जुलाई 2024: मुहर्रम के मौके पर देश के कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे.21 जुलाई 2024: रविवार के चलते देश भर में बैंकों की छुट्टी रहेगी.27 जुलाई 2024: महीने के चौथे शनिवार के चलते देश भर में बैंकों की छुट्टी रहेगी.28 जुलाई 2024: रविवार के चलते देश भर में बैंकों की छुट्टी रहेगी.

Hill Station : फलों की नगरी है ये छोटा सा हिल स्टेशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जुलाई : हिमाचल प्रदेश में कई हिल स्टेशन हैं, जहां आप गर्मियों के मौसम में जा सकते हैं। दिल्ली से उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कई हिल स्टेशन कुछ घंटों की दूरी पर स्थित हैं। चिलचिलाती धूप और गर्मी में यहां राहत पाने के लिए दिल्ली वाले जा सकते हैं।

अगर आप भी गर्मी और बढ़े हुए तापमान से परेशान हैं और किसी ठंडे हिल स्टेशन की तलाश में हैं तो दिल्ली से महज 4 घंटे की दूरी पर ऑफबीट हिल स्टेशन की सैर पर जा सकते हैं। शिमला मनाली से अलग इस हिल स्टेशन की खूबसूरती तो आपको भाएगी ही, साथ ही यहां का मुख्य आकर्षण आपको बार-बार आने के लिए प्रेरित करेगा।

दिल्ली से शोघी हिल स्टेशन 4 घंटे की दूरी पर है। यह हिमाचल प्रदेश की गोद में बसा हुआ खूबसूरत शहर है। शोघी हिल स्टेशन को सिटी ऑफ टेंपल भी कहते हैं। यहां 250 साल पुराना तारा देवी मंदिर स्थित है। इसके अलावा शोघी में हनुमान मंदिर, जाखू हिल, काली मंदिर, कंडाघाट जैसे कई पुराने मंदिर मौजूद हैं।

इतना ही नहीं, इस हिल स्टेशन पर ग्लेन वन में धुएं से भरी पहाड़ियों से घिरा चैडविक फॉल्स है, जो कि जन्नत का अहसास करता है। इस वॉटर फाल की खूबसूरती पर्यटकों को बार-बार यहां आने के लिए विवश कर सकती है। शोघी घूमने जाएं तो गिल्बर्ट ट्रेल की सैर भी करें। यह प्रकृति प्रेमियों की पसंदीदा जगह है, जहां प्रकृति का करिश्मा देखने को मिल सकता है।

खास बात ये हैं कि शोघी सिर्फ अपने पर्यटन स्थलों के लिए ही नहीं, बल्कि खेती या बागवानी के लिए भी मशहूर है। शोघी में कई तरह के फल उगाए जाते हैं। ताजे फलों के जूस यहां कहीं भी मिल जाएगा। आप शोघी के बागानों में भी घूम सकते हैं। सालभर शोघी हिल स्टेशन का मौसम सुहाना रहता है। हालांकि नवंबर से जनवरी तक यहां बर्फ का आनंद उठाया जा सकता है। गर्मी से बचने के लिए फरवरी से जून के महीने में आना बेहतर समय हो सकता है।

शहद-घी से तैयार कर दी गाजर की खास किस्म, महिला कमाती है हर महीने 4 लाख

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जुलाई : आज हम आपको ऐसी महिला किसान से मिलाते हैं जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से खेती में क्रांति ला दी है। उनका नाम है संतोष पचार। वह राजस्थान के सीकर से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने गाजर की गुणवत्ता सुधारने के लिए अनोखी तकनीक का इस्तेमाल किया। इससे संतोष की आमदनी में भारी इजाफा हुआ। साथ ही उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी मिली। आइए, यहां संतोष पचार की सफलता के बारे में जानते हैं।

संतोष पचार अपने खेत में टेढ़ी-मेढ़ी और बेस्वाद गाजरों से बहुत परेशान रहती थीं। इसकी वजह से उन्हें बाजार में अच्छी कीमत नहीं मिलती थी। अपनी इस समस्या का हल खोजने के लिए उन्होंने राज्य सरकार की ओर से आयोजित कृषि मेलों में जाना शुरू किया। इन मेलों में उन्होंने खेती की नई-नई तकनीकों के बारे में सीखा और विशेषज्ञों से सलाह ली।

ट्रेनिंग के बाद संतोष पचार ने अपनी समस्या की असली वजह पहचान ली। यह थी घटिया किस्म के बीज। हार न मानकर उन्होंने एक नया प्रयोग करने का फैसला किया। उन्होंने शहद और घी के मिश्रण से पॉलिनेशन (परागण) का अनोखा तरीका ईजाद किया। उनके इस तरीके पर लोगों को यकीन नहीं हुआ। लेकिन, संतोष ने इसे जारी रखा।

संतोष पचार की इस उपलब्धि के लिए उन्हें 2013 और 2017 में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपनी सफलता को दूसरों के साथ बांटने का फैसला किया। संतोष ने राज्य के 7,000 से अधिक किसानों को जैविक खेती और नई तकनीकों के बारे में बताया। संतोष की कहानी यह साबित करती है कि मुश्किलों से हार न मानकर, नई सोच और लगन से सफलता हासिल की जा सकती है।

रुद्रप्रयाग : तुंगनाथ धाम में उमड़ा भक्तों का सैलाब, पहली बार पहुंचे रिकॉर्डतोड़ तीर्थयात्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 06 जुलाई : तीर्थ यात्रियों की संख्या ने तुंगनाथ धाम में नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। इस बार तृतीय केदार तुंगनाथ में 56 दिनों की अवधि में कुल 67,851 श्रद्धालुओं ने पूजा और जलाभिषेक कर विश्व कल्याण की कामना की है, पूरे सीजन में यह आकड़ा दो लाख पार पहुँचने की उम्मीद है।

प्रदेश में चारधाम यात्रा का दौर चालू है लेकिन बरसात की वजह से अब तीर्थयात्रियों की संख्या में कमी देखने को मिल रही है। चारधाम यात्रा के इस सीजन में कई कीर्तिमान स्थापित हुए हैं। इसी क्रम में तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ के कपाट भी 10 मई को ग्रीष्मकाल के लिए खोले गये थे। सिर्फ 56 दिनों में 39,296 पुरुष, 21,073 महिलाएं, 7,018 बच्चे और 449 साधु-सन्यासी के साथ 15 विदेशी पर्यटक तुंगनाथ धाम पहुंचे और पुण्य प्राप्त किया। मंदिर समिति के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी यदुवीर पुष्वाण के अनुसार इस वर्ष तीर्थ यात्रियों की कुल संख्या 56 दिनों में 67,000 को पार कर गई है और कपाट बंद होने तक यह संख्या दो लाख से अधिक पहुंच सकती है।

तुंगनाथ धाम के प्रबंधक बलवीर सिंह नेगी ने बताया कि इस वर्ष भगवान तुंगनाथ के कपाट खुलने के बाद से तीर्थ यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि देखी गई है। जुलाई माह की शुरुआत से तुंगनाथ धाम में तीर्थ यात्रियों, पर्यटकों और सैलानियों की आवाजाही में थोड़ी कमी आई है। हालांकि सावन मास के दौरान तीर्थ यात्रियों की संख्या में पुनः बड़े पैमाने पर वृद्धि होने की संभावना है। उन्होंने यह भी बताया कि चोपता से सीधे चंद्रशिला की ओर जाने वाले पर्यटकों को मंदिर समिति के रिकॉर्ड में शामिल नहीं किया गया है, केवल वही तीर्थ यात्री मंदिर समिति के रिकार्ड में दर्ज किए गए हैं, जो मंदिर में पूजा और जलाभिषेक के लिए आते हैं। तुंगनाथ धाम में तीर्थ यात्रियों, पर्यटकों और सैलानियों की भारी संख्या के चलते तुंगनाथ घाटी के तीर्थाटन और पर्यटन व्यवसाय में बड़े पैमाने पर वृद्धि देखने को मिली है, जिससे मंदिर समिति की आय में भी इजाफा हुआ है।

पिथौरागढ़ : पहाड़ की बेटी को मिला फ्रांस में अवार्ड विदेश की धरती में किया प्रदेश का नाम रोशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 06 जुलाई : मडमानले गांव की होनहार बेटी सोनू खनका ने फ्रांस में देश और उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। मार्सेल में आयोजित पांच दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस में सोनू को ₹ईस्ट मीट वेस्ट अवार्ड 2024₹ से सम्मानित किया गया।

प्रदेश की होनहार बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे हैं और अपनी प्रतिभाओं के दम पर माता-पिता सहित पूरे राज्य का नाम देश-दुनिया में रोशन कर रही हैं। उनकी मेहनत और लगन से न सिर्फ प्रदेश, बल्कि पूरे देश का मान बढ़ रहा है। ये बेटियां हर चुनौती को स्वीकार कर अपने सपनों को साकार कर रही हैं और समाज में एक नई प्रेरणा का स्रोत बन रही हैं।

ऐसा ही कुछ कारनामा जनपद पिथौरागढ़ के मड़मानले गांव की सोनू खनका ने किया है। मार्सेल में आयोजित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सोनू खनका को

East Meets West Award 2024 से सम्मानित किया गया है। उनकी इस शानदार उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई है।

सोनू खनका वर्तमान में केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई), लखनऊ में डॉ. दिव्या सिंह के मार्गदर्शन में लाइफ साइंस के क्षेत्र में ऑस्टियोपोरोसिस और आर्थराइटिस पर शोध कर रही हैं। अपनी प्राथमिक से इंटर तक की शिक्षा उन्होंने मड़मानले गांव से प्राप्त की उसके बाद सोनू ने पिथौरागढ़ महाविद्यालय से जंतु विज्ञान में एमएससी की डिग्री पूरी की और जेआरएफ व यू-सेट की परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की। सोनू के पिता इंद्र जंग खनका एक अध्यापक हैं, जबकि उनकी माता राधा देवी गृहिणी हैं। उनकी इस उपलब्धि पर सभी परिचित और उनके गुरुजनों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सीएम से की जेल में हुई मौत की एसआईटी जांच की मांग

नई टिहरी। जाखणीधार की ब्लाक प्रमुख सुनीता देवी ने सीएम पुष्कर सिंह धामी को स्थानीय युवक की देहरादून कारागार में हुई मौत की जांच के मामले में ज्ञापन प्रेषित किया है। मांग की है कि युवक की मौत की एसआईटी जांच करवाने के साथ ही पीड़ीत परिवार को मुआवजा दिया जाय।जाखणीधार की प्रमुख सुनीता ने देवी ने सीएम को ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि ब्लाक जाखणीधार के ग्राम पंचायत मंदार निवासी 39 वर्षीय रणवीर सिंह सरोप सिंह, जो कि ऋषिकेश में विश्वनाथ सेवा में परिचालक था, को पुलिस स्कूटी चोरी के आरोप में बीती 22 जून को सांय 5 बजे साथ ले गई। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने युवक की बेरहमी से गंभीर पिटाई की। 23 जून को जब युवक की पत्नी रीता देवी रणवीर से मिलने गई तो रणवीर को शरीर पर गंभीर चोटें थी। पत्नी को रणवीर ने बताया कि पुलिस उसके साथ लगातार मारपीट कर रही है। 23 जून को शाम पांच बजे पुलिस युवक को सुद्धोवाला जेल ले गई। शाम को लगभग साढ़े पांच बजे बताया गया कि युवक की जेल में मौत हो गई। प्रमुख ने मामले में सीएम से संदिग्ध रूप से हुई इस मौत की एसआईटी जांच करवाकर जिम्मेदार पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्यवाही के साथ पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाय।

प्रशासन के आश्वासन के बाद किसान नेता का अनिश्चितकालीन उपवास कार्यक्रम स्थगित

नई टिहरी। भागीरथी में शुक्रवार को आंशिक तौर पर पानी छोड़े जाने व प्रशासन के आश्वासन के बाद किसान नेता भोपाल सिंह चौधरी ने देवप्रयाग संगम पर किये जाने वाले अनिश्चितकालीन उपवास कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है। किसान नेता चौधरी ने भगीरथी में जल प्रवाह रोके जाने के विरोध में देवप्रयाग संगम पर छह जुलाई से उपवास पर बैठने व आत्मदाह की चेतावनी दी थी। किसान नेता भोपाल सिंह चौधरी ने बताया कि प्रशासन ने शुक्रवार को नदी में पानी छोड़ने के लिए कहा गया। चौधरी ने बताया अगर पुनः नदी में पानी रोकने की कोशिश की गई, तो उन्हें फिर से आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

SSP लोकेश्वर सिंह के निर्देशन में पौड़ी पुलिस लगातार एक्शन मोड में

कोटद्वार शहर में मोटरसाइकिल चोरियों का खुलासा, चोरी के माल सहित 3 विधि विवादित किशोर आए पकड़ में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 06 जुलाई : कोतवाली कोटद्वार पर वादी राकेश सिंह रावत पुत्र बचन सिंह रावत निवासी- दुर्गापुरी कोटद्वार व राजेश भट्ट पुत्र कमलेश्वर प्रसाद, निवासी-निम्बू चौड़, कोटद्वार के द्वारा सूचना दी कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा हमारी मोटरसाइकिल चोरी कर ली है, इस सूचना के आधार पर थाना कोटद्वार पर मु0अ0स0-176/24, 177/24, धारा- 379 भा.द.वि बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा उक्त चोरी की घटना का संज्ञान लेते हुए अभियोग के सफल निस्तारण करने के साथ-साथ अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु टीम गठित करने हेतु आदेशित किया गया।

गठित पुलिस टीम द्वारा घटना के अनावरण हेतु सैकड़ो सी.सी.टी.वी कैमरों को चेक किया गया जिनकी मदद से पता चला कि 03 लड़के चोरी की मोटरसाइकिल लेकर मोटाढाक की तरफ से कौड़िया होते

हुए नजीबाबाद की ओर जा रहे हैं। तत्पश्चात गठित टीम द्वारा सुरागरसी-पतारसी कर बी.ई.ल रोड़ पर के पास जाकर उक्त चोरी की घटनाओं मे संलिप्त तीनों लड़कों को BEL सुखरो पुल से आगे बन्द पडी सरिया फैक्ट्री के पास से मय चोरी हुए वाहन मो0सा0 पल्सर सं0- UK 16A 9409 व मो0सा0 पल्सर सं0- HR 60 G 6045 के इंजन के साथ दिनांक- 04.07.2024 को संरक्षण में लिया गया। पकड़े गये 03 बाल अपचारियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर सी.डब्लू.सी के समक्ष काउंसलिंग करवाकर उनके माता-पिता के संरक्षण में दिया गया।

चोरी किये गये वाहनों का विवरण 1- मो0सा0 रजिस्ट्रेशन न0- UK 16A 9409 सम्बन्धित मु0अ0सं0- 176/24, वादी राकेश सिंह रावत 2- मो0सा0 रजिस्ट्रेशन न0- HR 60G 6045 सम्बन्धित मु0अ0सं0- 177/24, वादी राजेश भट्ट बरामद किये गये वाहनों का विवरण

1- मो0सा0 पल्सर 220CC रंग नीला बिना रजिस्ट्रेशन नम्बर की ईंजन न0 DKYCHM05899 व चेसिस न0 MD2A13EY2HCM29503, मु0अ0सं0- 176/24 2- मो0 सा0 का इंजन जिस पर इंजन नम्बर DHZRGA39451, मु0अ0सं0- 177/24 नाम पता अभियुक्त 03 विधि विवादित किशोर , पुलिस टीम 1. उपनिरीक्षक विनोद कुमार 2. उपनिरीक्षक मेहराजुद्दीन 3. आरक्षी 425 चन्द्रपाल 4. आरक्षी 294 सतीश शर्मा

टिहरी में तहसीलों में आपदा कंट्रोल रूम स्थापित

नई टिहरी। मानसून सीजन को देखते हुए जनपद में डीएम मयूर दीक्षित के निर्देश पर शुक्रवार को समस्त तहसीलों में कन्ट्रोल रूम स्थापित किये गये हैं। डीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को कन्ट्रोल रूम के नम्बर आम जनमानस के बीच प्रसारित करने को कहा है, ताकि आपदा के समय सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान हो सके।

शुक्रवार को डीएम दीक्षित ने बरसात में सम्भावित आपदाओं के दृष्टिगत सड़क मार्ग, झील जल स्तर, सिंचाई नहर, पेयजल, विद्युत आदि व्यवस्थाओं पर लगातार नजर बनाये रखने की बात कही। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी आपदा व दुर्घटना की स्थिति में जिला स्तर के अधिकारियों को व्हाट्सऐप ग्रुप में तत्काल सूचनाओं का आदान-प्रदान करने के निर्देश दिये हैं, ताकि सभी विभाग समन्वय बनाकर तत्काल समस्याओं का समाधान कर सकें। किसी भी आपदा व दुर्घटना की स्थिति में किसी के भी द्वारा जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र व आपदा नियंत्रण कक्ष के फोन नम्बर-01376-234793, 233433 टोल फ्री नंबर 01376-1077, मोबाइल नंबर 8126268098, 7465809009, 9456533332, 7983340807 पर सूचना दे सकते हैं।

IND vs ZIM : पहले मुकाबले में इस प्लेइंग इलेवन के साथ उतर सकती है टीम इंडिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जुलाई : भारतीय क्रिकेट टीम शुभमन गिल की कप्तानी में पहली बार टी20 इंटरनेशनल मुकाबले के लिए मैदान में उतरने वाली है। जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की सीरीज का पहला मैच 6 जुलाई को हरारे में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने पहले ही इस सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया था, हालांकि बाद में इसमें हल्का सा बदलाव किया गया है। इस बीच अब सवाल ये है कि शुभमन गिल पहले ही मुकाबले में किस प्लेइंग इलेवन के साथ उतरेंगे। चलिए जरा समझने की कोशिश करते हैं।

शुभमन गिल के साथ कौन होगा ओपनिंग जोड़ीदार शुभमन गिल को टी20 वर्ल्ड कप 2024 की टीम इंडिया में जगह नहीं मिली थी, इसलिए वे लंबे समय बाद मैदान में नजर आएंगे। वे पारी का आगाज करेंगे, लेकिन उनका जोड़ीदार कौन होगा। वैसे तो गिल के पास दो विकल्प हैं। अभिषेक शर्मा को पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली है। साथ ही उन्होंने आईपीएल में अपनी टीम सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खूब रन बनाए थे। ऐसे में वे बेहतर साबित हो सकते हैं। हालांकि रुतुराज गायकवाड भी स्क्वाड का हिस्सा हैं। लेकिन सवाल ये है कि क्या टीम दो दाएं हाथ के बल्लेबाजों के साथ उतरेगी या फिर लेफ्ट राइट का कॉबिनेशन उतरेगा। शुभमन गिल जहां दाएं हाथ के बल्लेबाज है, वहीं अभिषेक शर्मा बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं।

रियान पराग का खेलना करीब करीब तय, साई सुदर्शन को भी मिला है मौका साई सुदर्शन को बदलाव के बाद भारतीय टीम में जगह मिली है। वे आईपीएल में शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस के लिए खेल रहे थे और कुछ बढ़िया पारियां उनके बल्ले से आई हैं। उन्हें तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी का मौका मिल सकता है। नंबर चार पर रियान पराग की जगह करीब करीब तय सी नजर आ रही है। राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में वे इसी नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे और खूब रन उनके बल्ले से आए हैं। विकेट कीपर बल्लेबाज के तौर पर ध्रुव जुरेल और जितेश शर्मा के रूप में दो आप्शन हैं। दोनों का फार्म कुछ खास नहीं है, लेकिन फिर भी ऐसा लगता है कि जितेश शर्मा बाजी मार ले जाएंगे। रिंकू सिंह फिनिशिर की भूमिका में न केवल आईपीएल, बल्कि टीम इंडिया के लिए भी खुद को साबित कर चुके हैं। ऐसे में उनका प्लेइंग इलेवन में होना करीब करीब तय सा नजर आ रहा है।

जिम्बाब्वे सीरीज के लिए टीम इंडियाः शुभमन गिल (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे, साई सुदर्शन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हर्षित राणा।

जोधा अकबर की 'जोधा' का हो गया है ट्रांसफॉर्मेशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जुलाई : परिधि शर्मा टीवी की एक नामी एक्ट्रेस हैं. परिधि ने सीरियल जोधा अकबर में अपने किरदार जोधा से लोगों के दिलों को जीत लिया था. परिधि ने अपनी सादगी से लोगों को अपना दीवाना बना लिया था. बता दें, परिधि शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत तेरे मेरे सपने से की थी. हालांकि पहचान उन्हें रजत टोकस के साथ टीवी शो जोधा अकबर में काम करके मिली. शो में दोनों की केमिस्ट्री को लोगों ने खूब पसंद किया था. परिधि शर्मा की बात हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि टीवी की जोधा की एक फोटो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

परिधि शर्मा भले ही अब एक्टिंग में ज्यादा एक्टिव नहीं हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर उन्हें खूब एक्टिव देखा जाता है. हाल ही में परिधि की एक फोटो सामने आई है, जिसमें वे बिना मेकअप नजर आ रही हैं. हालांकि बिना मेकअप परिधि बहुत खूबसूरत लग रही हैं, लेकिन कुछ लोग उन्हें इतने सालों बाद वो भी बिना मेकअप देखकर पहचान नहीं पा रहे हैं. इस फोटो में परिधि अपने सिंपल अवतार से लोगों का दिल जीत रही हैं. इस तस्वीर में परिधि गार्डन में बैठकर मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं. 10 साल बाद परिधि के इस ट्रांसफॉर्मेशन ने फैन्स को हैरान कर दिया है. लोगों का कहना है कि वे दस साल बाद भी उतनी ही खूबसूरत दिखती हैं।

फोटो को शेयर करते हुए परिधि शर्मा ने इसके कैप्शन में लिखा है, 'नेचर में'. इसके साथ ही उन्होंने रेड हार्ट इमोजी भी बनाया है. परिधि के इस पोस्ट पर फैन्स के ढेरों कमेंट्स आए हैं. एक यूजर ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा है, 'बिना मेकअप भी खूबसूरत. इसे कहते हैं नेचुरल ब्यूटी'. तो एक अन्य ने लिखा है, 'ये वही जोधा अकबर की खूबसूरत जोधा है?'. तो वहीं एक अन्य ने लिखा, 'सादगी ही आपकी नेचुरल ब्यूटी है'. इस तरह से इस फोटो पर लोगों के जमकर रिएक्शन आए हैं।

राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए शिक्षक 15 जुलाई तक करें आवेदन, जानें आवेदन की प्रक्रिया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जुलाई : शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2024 से जुड़ी जरूरी खबर सामने आई है. शिक्षक इस पुरस्कार के लिए 15 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. शिक्षा विभाग ने इसके लिए दो अलग-अलग वेबसाइट के लिंक जारी कर दिए हैं. वेबसाइट पर जाकर आप आसानी से आवेदन कर सकते हैं।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार, 2024 (National Teacher Award 2024) के लिए शिक्षकों के आवेदन 27 जून से शुरू हो गया है जो 15 जुलाई तक ऑनलाइन स्वीकार किया जाएगा. शिक्षा विभाग की ओर से शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने तथा जिला चयन समिति के माध्यम से आवेदन राज्य चयन समिति को अग्रसरित करने के संबंध में सभी जिलों को निर्देश जारी किया गया है।

प्राथमिक शिक्षा निदेशक मिथिलेश मिश्र ने राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए शिक्षकों द्वारा स्वयं नामांकन और पंजीकरण सुनिश्चित कराने के संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के सचिव और बिहार मदरसा शिक्षा बोर्ड के सचिव को पत्र लिखा है। जिला चयन समिति द्वारा उक्त आवेदन को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से राज्य चयन समिति को भेजा जाएगा.केंद्र सरकार के निर्देशानुसार जिला चयन समिति में जिला शिक्षा अधिकारी अध्यक्ष होंगे. राज्य सरकार का प्रतिनिधि और जिलाधिकारी द्वारा नामित एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद समिति के सदस्य होंगे।

संक्षिप्त खबरें

गौरिया गदेरे में पानी बढ़ने से लोग दहशत में

नई टिहरी। तहसील क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार देर शाम हुई मूसलाधार बारिश से मुयाल गांव के गौरिया गदेरे में अचानक पानी बढ़ने से लोग दहशत में आ गए। दहशत के चलते लोग घरों से बाहर निकल गए। जिसकी सूचना प्रशासन को दी गई। क्षेत्रीय राजस्व टीम ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया तथा पाया कि गदेरे में आई बाढ़ से कोई जनधन की हानि नहीं हुई। साथ ही हिन्दाव पट्टी के अंथवाल गांव में ग्रामीण प्रेमदत्त अंथवाल के मकान के पीछे स्थित मठियाना देवी मंदिर के आंगन पर हुए भूस्खलन से मकान को खतरा पैदा हो गया। प्रभावित ग्रामीण ने राजस्व उपनिरीक्षक कथूड़ से स्थलीय निरीक्षण कर भवन की सुरक्षा हेतु उपाय करने की मांग की। जिस पर पटवारी ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। बारिश से इस क्षेत्र में भूस्खलन से खतने के आसार बने हुए हैं।

पीएम आवास के लाभार्थियों को आवंटन पत्र बांटे

नई टिहरी। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चयनित टिहरी जिले के 70 में से 30 लाभार्थियों को आवंटन पत्र बांटे गए। इन लाभार्थियों को हरिद्वार स्थित झब्बरपुर में यह आवास दिए जाएंगे। आवंटन पत्र मिलने पर लाभार्थियों ने सरकार का आभार जताया है। शुक्रवार को नगर पालिका सभागार में अधिशासी अधिकारी मोहम्मद कामिल, इंजीनियर्स पार्टनर घनश्याम तिवारी, भक्ति प्रसाद सकलानी और शिव सिंह सजवाण ने पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को आवंटन पत्र दिए। ईओ ने कहा कि जिले में कुल 70 लोगों ने पीएम आवास के लिए आवेदन किए थे। पहले दिन 30 लाभार्थियों को आवंटन पत्र जारी किए गए। कहा कि इस योजना के तहत ऐसे लोग जिनके पास कहीं भी भूमि व भवन नहीं और उनकी सलाना आय 3 लाख से नीचे है। उन्हें सस्ती दरों पर हरिद्वार के झब्बरपुर में विकसित की गई टाउनशिप में करीब 3 लाख रूपये में 1 बीएचके का आवास दिया जाएगा। टाउनशिप का कार्य अंतिम चरण में है। दिसंबर से मार्च 2025 तक लाभार्थियों को आवास हैंडओवर किए जाएंगे। आवंटन पत्र मिलने पर लाभार्थियों ने कहा कि सस्ते दामों पर हरिद्वार जैसे स्थान पर उन्हें घर मिलेगा। उन्होंने पीएम मोदी सहित केंद्र और राज्य सरकार का आभार जताया। इस मौके पर अंजू ध्यानी, ऋतु राणा, नीलू विश्वकर्मा, प्रेमदत्त, राजपाल सिंह, सविता, दीपक, रिंकुल कुमार, प्रदीप, रीतू थपलियाल, अनिशा, रेशमा, सोनी, उजला देवी, प्रदीप सेमवाल, लक्ष्मी देवी, नेहा रानी, जोंतरा देवी, विनोद प्रसाद, पुष्पा, सरिता आदि शामिल रहे।

कैरम प्रतियोगिता का हुआ समापन

नई टिहरी। संगम क्लब रानीचौरी की तीन दिवसीय कैरम प्रतियोगिता के समापन पर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि अनुसुया प्रसाद नौटियाल व विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता वानिकी विद्यालय रानीचौरी डा अरविंद बिजवान व वरिष्ठ भाजपा नेता खेम सिंह चौहान ने विजेताओं को बधाई दी। शुक्रवार को कैरम प्रतियोगिता के समापन पर विजेता खिलाड़ियों में विजय मखलोगा, अनिल रावत, सत्यपाल सिंह रावत सहित अन्यों को मोमेंटो नकद धनराशि देकर पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि नौटियाल ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन जरूरी है। कैरम प्रतियोगिता संतुलन व डेडिकेशन का गेम है। जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। इस मौके पर भाजपा चम्बा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुशील कुमार बहुगुणा, शूरवीर चन्द्र रमोला, उमेश, भावना, सतपाल रावत, अनिल रावत, गिरवीर चंद्र रमोला, अमर सिंह, राजेंद्र भंडारी, मुकेश सजवाण, आशीष, विजय, भूपेंद्र आदि मौजूद रहे।

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मनाया वार्षिकोत्सव

नई टिहरी। प्रतापनगर ब्लॉक की भदूरा पट्टी के पीएमश्री स्कूल केंद्रीय विद्यालय सौड़खांड़ के वार्षिकोत्सव में शुक्रवार को छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की छटा बिखेरी। उन्होंने गढ़वाली, जौनसारी और हिंदी गीतों की प्रस्तुति पर अभिभावकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान शिक्षा के साथ ही अन्य गतिविधियों में प्रतिभाग करने वाले उत्कृष्ट छात्रों को सम्मानित किया गया।शुक्रवार को केवि सौड़खांड़ के वार्षिकोत्सव का राज्य आंदोलनकारी देवी सिंह पंवार, जीआईसी गलियाखेत के प्रधानाचार्य दिवाकर पैन्युली, ग्राम प्रधान चंद्रशेखर पैन्यूली और लंबगांव व्यापार मंडल अध्यक्ष युद्धवीर सिंह राणा ने दीप जलाकर उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि केवि में न्यूनतम शुल्क में गुणवत्तापरक शिक्षा मिल रही है। भदूरा ही नहीं बल्कि पूरे प्रतापनगर क्षेत्र को इस स्कूल का लाभ मिल रहा है। प्राचार्य वेद प्रकाश ने स्कूल की प्रगति आख्या और भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा बताई। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने मां शारदे सरस्वती से कार्यक्रम की शुरुआत की। उसके बाद एक्शन गीत और गुजराती नृत्य आकर्षण का केंद्र राह। उन्होंने राजस्थानी नृत्य, गढ़वाली और जौनसारी मंडाण, एक भारत श्रेष्ठ भारत नृत्य के साथ साथ योग का भी प्रदर्शन किया।

BH सीरीज नंबर प्लेट : किसे मिल सकती है, क्या हैं फायदे, और कैसे करें अप्लाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जुलाई : वर्ष 2021 में भारत सरकार ने समूचे मुल्क में गैर-परिवहन वाहनों, यानी निजी वाहनों के लिए BH श्रृंखला नंबर प्लेट या भारत श्रृंखला पंजीकरण संख्या पेश की थी. ऐसा इसलिए किया गया था, ताकि अलग-अलग राज्यों या केंद्रशासित प्रदेशों में तबादले के बाद कामकाजी लोगों को अपने वाहनों को लेकर दिक्कतें न हों. दरअसल, भारत सीरीज नंबर प्लेट, या BH सीरीज नंबर प्लेट वाले वाहन मालिकों को नए राज्य या केंद्रशासित प्रदेश में पहुंचने पर अपने वाहन का दोबारा पंजीकरण करवाने की ज़रूरत नहीं होती. BH सीरीज नंबर प्लेट से कई तरह के फायदे होते हैं, लेकिन इसे हासिल करने के लिए कुछ नियम और अर्हताएं भी हैं. तो आइए, आपको बताते हैं वह सब कुछ, जो BH सीरीज़ नंबर प्लेट के बारे में जानना ज़रूरी है।

BH सीरीज़ नंबर प्लेट की अर्हता या योग्यताBH सीरीज़ नंबर प्लेट हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं है. यह प्लेट आपको सिर्फ़ उसी स्थिति में हासिल हो सकती है, जब आप केंद्र या राज्य सरकार, बैंक, रक्षा, प्रशासनिक सेवा आदि के लिए कार्यरत भारतीय नागरिक हैं. निजी क्षेत्र में सेवा देने वाले लोगों के लिए यह नंबर प्लेट उसी स्थिति में मिलेगी, जब आपकी कंपनी के दफ़्तर कम से कम चार राज्यों या केंद्रशासित प्रदेशों में होंगे.सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, ₹भारत सीरीज़ (BH-सीरीज़) के तहत वाहन पंजीकरण सुविधा स्वैच्छिक आधार पर रक्षाकर्मियों, केंद्र सरकार / राज्य सरकारों / केंद्र / राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी क्षेत्र की ऐसी कंपनियों / संगठनों के कर्मचारियों के लिए उपलब्ध होगी, जिनके पास चार या अधिक राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों में अपने कार्यालय होंगे...₹

BH सीरीज़ नंबर प्लेट के लिए आवेदन कैसे करेंनया वाहन खरीदते वक्त मालिक को BH सीरीज़ नंबर प्लेट के लिए आवेदन करने हेतु फ़ॉर्म 60 भरना होगा, जिसके साथ रोज़गार का वैध प्रमाण और आईडी भी ऑनलाइन उपलब्ध कराना होगा. BH सीरीज़ रजिस्ट्रेशन वाहन मालिक को दिए जाने से पहले इन दस्तावेज़ को सरकारी अधिकारियों द्वारा सत्यापित किया जाएगा. वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर प्रत्येक आवेदक को रैण्डम तरीके से आवंटित किया जाएगा.

BH सीरीज़ नंबर प्लेट की लागत और अवधिBH सीरीज़ नंबर प्लेट के साथ रजिस्टर्ड वाहनों के लिए मोटर वाहन कर दो साल या दो के गुणक में लगाया जाता रहेगा. 14 वर्ष पूरे होने के बाद मोटर वाहन कर हर वर्ष लागू किया जाएगा, जो उससे पहले वाहन के लिए ली जाती रही राशि का आधा होगा.ध्यान रहे, BH सीरीज़ नंबर प्लेट के साथ रजिस्टर्ड वाहनों को किसी को भी बेचा या ट्रांसफ़र किया जा सकता है, चाहे नया मालिक BH सीरीज़ का पात्र हो, या नहीं हो. जब BH सीरीज़ का वाहन खरीदा या बेचा जाता है, तो खरीदार को क्षेत्रीय रजिस्ट्रेशन नंबर हासिल करने के लिए स्थानीय RTO में वाहन को फिर रजिस्टर करवाना होगा. नए वाहन मालिक को ही राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के नियमों के मुताबिक पंजीकरण शुल्क और लागू करों का भुगतान भी करना होगा.

जानें, क्या खास है BH सीरीज़ नंबर प्लेट मेंBH सीरीज़ नंबर प्लेट पर प्रत्येक अंक या अक्षर अर्थपूर्ण है. लाइसेंस प्लेट पर पहले दो नंबर पंजीकरण वर्ष बताते हैं. इसके बाद लिखे BH का अर्थ भारत है. अगले चार अंक कंप्यूटर द्वारा रैंडम तरीके से आवंटित किए जाते हैं, और अंत में दिखाई देने वाला अंग्रेज़ी वर्णमाला का अक्षर भी रैंडम तरीके से आवंटित किया जाता है, जिसमें 'I' और 'O' को इस्तेमाल नहीं किया जाता है।

20 दिन में परीक्षा, 45 दिन पहले कोर्स खत्म इस पहल से MBA छात्रों के आएंगे अच्छे दिन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जुलाई : मल्टी नेशनल कंपनी में प्लेसमेंट के बाद भी उस कंपनी को ज्वाइन नहीं कर सके. क्योंकि उन्होंने निजी कॉलेज से एमबीए किया और चौथे यानी अंतिम सेमेस्टर के दौरान प्लेसमेंट होने के दो माह बाद ज्वाइनिंग की तारीख आ गई, लेकिन तब तक यूनिवर्सिटी एमबीए फाइनल की परीक्षा ही नहीं ले पाई. रिजल्ट आते-आते तीन माह अतिरिक्त लग गए. राहुल को जॉब नहीं मिल सकी. ऐसा सिर्फ राहुल ही नहीं हर साल कई छात्रों के साथ होता है. ऐसी ही परेशानी को खत्म करने के लिए देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी एमबीए की परीक्षाओं में नया प्रयोग करने जा रही है. जिसके जरिए छात्रों को आसानी होगी और उनके करियर प्लेसमेंट पर असर नहीं पड़ेगा।

दरअसल, एमबीए थर्ड और फोर्थ सेमेस्टर की जो परीक्षाएं अभी 40 से 45 दिन तक चलती हैं. जिसे 20 दिन में खत्म करेगी. इसके लिए वह थर्ड सेमेस्टर में छात्रों के विषय चयन (स्पेशलाइजेशन व उससे जुड़े विषय चुनने) यानी ग्रुपिंग सिस्टम ही बदलने जा रही है. अब छात्र थर्ड सेमेस्टर में स्पेशलाइजेशन के साथ पांचों ग्रुप में से विषय नहीं चुन सकेंगे. बल्कि उन्हें दो या तीन ग्रुप के ही विकल्प मिलेंगे. जैसे- थर्ड सेमेस्टर में एचआर स्पेशलाइजेशन चुनने वाले छात्रों को फाइनेंस, मार्केटिंग या अन्य ग्रुपों में से बाकी विषय चुनने का अधिकार नहीं होगा।

बल्कि उन्हें दो ही तीन ग्रुप में से ही बाकी विषय चुनने का मौका मिलेगा. इससे परीक्षा के दौरान बहुत ज्यादा विकल्प के परचे करवाना नहीं पड़ेंगे और जो परीक्षा अभी न्यूनतम 40 से अधिकतम 45 दिन में खत्म होती है, वह न्यूनतम 20 और अधिकतम 28 दिन में खत्म होगी. परीक्षा नियंत्रक प्रो. अशेष तिवारी के मुताबिक यह प्रयोग नए सत्र से करने जा रहे हैं इस सत्र की अगली जो भी परीक्षा दिसंबर-जनवरी में प्रस्तावित है, वह इसी प्रयोग से होगी और 20 दिन में खत्म होगी।

इस निर्णय का असर यह होगा की दो वर्षीय एमबीए कोर्स तय समय पर या अभी की तुलना में 30 से 45 दिन पहले पूरा हो सकेगा. खासकर छात्रों को प्लेसमेंट में दिक्कत नहीं आएगी. निश्चित ही परीक्षा समय पर पूरी होने से छात्रों फायदा मिलेगा. क्योंकि प्लेसमेंट के लिए कंपनियां चौथे सेमेस्टर की परीक्षा से कुछ समय पहले आती हैं. लेकिन कई बार परीक्षाएं देर तक चलने, किसी से वजह से शुरू ही लेट होने या रिजल्ट में देरी होने के कारण छात्रों की नौकरी ही संकट में पड़ जाती है. यह बदलाव होने से छात्रों को न केवल समय पर डिग्री मिलेगी. बल्कि प्लेसमेंट में उन्हें फायदा मिलेगा. यही नहीं देशभर में कहीं से भी पीएचडी करने, नेट व अन्य तमाम एक्जाम में भी फायदा मिलेगा।

VVIP नंबर 0005 का मामला, चार-चार लाख की लगी बोली, लेकिन 40 हजार में बिका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 06 जुलाई : ऑनलाइन सिस्टम शुरू होने के बाद से वीवीआइपी नंबरों को पाने के लिए वाहन स्वामी खूब बोली लगा रहे हैं। लेकिन यूके 04 एएन सीरिज में 0005 नंबर को लेकर अनोखा मामला सामने आया है। पहली बोली में एक वाहन स्वामी ने चार लाख से ज्यादा में नंबर लिया। लेकिन पैसे जमा न करने पर दोबारा नीलामी हुई।

यहां फिर से नंबर चार लाख से ज्यादा में छूटा। मगर तय समय में इस बार भी पैसे जमा नहीं हुए। इसके बाद तीसरी बारी में 40 हजार में यह नंबर बिका है। हालांकि, पहले दो मामलों में 25-25 हजार की सिक्योरिटी राशि जब्त हो चुकी है।

मनपसंद नंबर पाने के लिए वाहन स्वामियों में अक्सर दिलचस्पी देखने को मिलती है। इसलिए परिवहन विभाग भी चुनिंदा नंबरों को आनलाइन बोली में रखता है। ताकि ज्यादा से ज्यादा राजस्व मिल सके। हर नंबर का अलग-अलग न्यूनतम मूल्य होता है।यूके 04 एएन सीरीज में 0005 नंबर के लिए पहली बार 25 मई ऑनलाइन नीलामी में शामिल किया गया था। तब अधिकतम 4.11 लाख बोली लगी। लेकिन निर्धारित समय दो दिन में पैसे जमा नहीं किया। जिस वजह से बोलीदाता की 25 हजार की सिक्योरिटी राशि जब्त कर ली गई।इसके बाद छह जून को दोबारा प्रक्रिया शुरू हुई। इस बार ये नंबर 4.73 लाख में छूटा। लेकिन इस वाहन स्वामी ने भी तय समय में पैसे जमा नहीं किए। जिस पर सिक्योरिटी के 25 हजार और परिवहन विभाग के खाते में चले गए। इसके बाद तीसरी बारी में यह नंबर 40 हजार रुपये में ही छूट गया।

सीनियर नर्सिंग आफिसर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

श्रीनगर गढ़वाल। कोतवाली श्रीनगर के अंतर्गत श्रीकोट गंगानाली में नागराजा मोहल्ले में किराये के कमरे में रह रहे एक सीनियर नर्सिंग आफिसर ने फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। कमरे से चार पन्नों का सुसाइड नोट भी मिला है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक होशियार सिंह पंखोली ने बताया कि श्रीकोट स्थित रिपोर्टिंग चौकी में बेस चिकित्सालय के सीनियर नर्सिंग ऑफिसर मेडिसिन विभाग के ज्ञानेंद्र शर्मा और ऑर्थो ओटी विभाग के यातमचंद्र ने श्रीकोट चौकी को बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे जब वह ऑफिस जाने के लिए अपने दोस्त को उठाने गए तो सर्जरी ओटी विभाग के इंचार्ज 46 वर्षीय धर्मेंद्र कुमार शर्मा पुत्र बाबूलाल शर्मा ग्राम खिजूरी जिला करौली राजस्थान ने दरवाजा खटखटाने और आवाज लगाने पर भी दरवाजा नहीं खोला। कमरे के अंदर से कोई आवाज न सुनाई देने और अनहोनी को देखते हुए इसकी सूचना उन्होंने श्रीकोट चौकी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे के दरवाजे का तोड़ कर देखा कि सीनियर नर्सिंग आफिसर द्वारा कमरे में लोहे की खिड़की पर सफेद कपड़े पर फंदा लगाकर फांसी लगाई हुई थी। जिनको तत्काल मौके से 108 एम्बुलेंस की मदद से बेस अस्पताल श्रीकोट ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने सीनियर नर्सिंग ऑफिसर को मृत घोषित कर दिया।

थत्यूड़ में पौध रोपण किया

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ के ग्राम पंचायत बैट में शुक्रवार को मसूरी वन प्रभाग की जौनपुर रेंज की ओर से वन महोत्सव का आयोजन कर गांव में पौधरोपण किया गया। ग्राम प्रधान संगीता देवी के नेतृत्व में वन विभाग के कर्मियों और ग्रामीणों ने पौधे रोपते हुए उनके संरक्षण का संकल्प लिया। शुक्रवार को बैट गांव में बांज, बुरांस और सेमला के 40 पौधों का रोपण किया गया। डिप्टी रेंजर विजेंद्र सिंह ने ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराया। कहा कि हम केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहें बल्कि उसकी देखभाल और जब तक पेड़ बड़ा नहीं हो जाता पूरी जिम्मेदारी लें। कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक कार्य करने की जरूरत है। इस मौके पर अनिल नौटियाल, मदनलाल नौटियाल, राम प्रकाश, रामलाल लेखवार मौजूद रहे।

उत्तराखंड की खूबसूरत फूलों की घाटी, खुलती है सिर्फ तीन महीने

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 06 जुलाई : उत्तराखंड में एक ऐसी जगह है जहां आपको पहाड़ की हरियाली के साथ-साथ चारों तरफ हजारों रंग-बिरंगे फूल देखने को मिलेंगे. उत्तराखंड की ये सुंदर और मनमोहक जगह है, फूलों की घाटी. वैली ऑफ फ्लॉवर में 500 से ज्यादा प्रजाति के फूल देखने को मिलते हैं. ये जगह साल में कुछ महीनों के लिए ही खुलती है.

फूलों की घाटी विश्व धरोहर स्थल की सूची में शामिल है. फूलों की घाटी तक पहुंचने के लिए एक लंबा ट्रैक करना पड़ता है. वैली ऑफ फ्लॉवर कब जाएं, कैसे पहुंचे और कहां ठहरें? आज हम आपको फूलों की घाटी के बारे में पूरी जानकारी देंगे.

वैली ऑफ फ्लॉवर उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित है. फूलों की घाटी साल में जून से अक्तूबर के बीच खुली रहती है. समुद्र तल से फूलों की घाटी की ऊंचाई लगभग.3,658 मीटर है. 87.5 वर्ग किमी. में फैली फूलों की घाटी में फूलों की 500 से अधिक प्रजातियां पाईं जाती हैं. अपनी खूबसूरती और जैव विविधता के कारण 2005 में वैली ऑफ फ्लॉवर को विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया गया था. इस जगह की खोज फ्रेक सिडनी स्माइथ ने की थी, भटकते हुए वे इस जगह पर पहुंचे थे. उन्होंने इस जगह के बारे में वैली ऑफ फ्लॉवर्स के नाम से एक किताब भी लिखी. इस जगह के बारे में कहा जाता है

कि फूलों की घाटी हर 15 दिन में अपना रंग बदलती है. फूलों की घाटी खुलने के बाद बड़ी संख्या में पर्यटक इस जगह पर पहुंचते हैं. यदि आप भीड़ से बचकर इस जगह को देखना चाहते हैं तो आपको सितंबर और अक्टूबर में इस जगह पर आने का प्लान बनाना चाहिए।

फूलों की घाटी तक पहुंचने के लिए एक लंबा ट्रेक करना पड़ता है. वैली ऑफ फ्लॉवर का ट्रेक बहुत कठिन नहीं है. बिना ट्रेकिंग के अनुभव के भी आप इस ट्रेक को आराम से कर सकते हैं. आइए आपको फूलों की घाटी तक पहुंचने के बारे में विस्तार से बताते हैं.

फूलों की घाटी जाने के लिए अपने साथ पहचान पत्र समेत कुछ जरूरी दस्तावेज जरूर रखें. वैली ऑफ फ्लॉवर का मौसम ठंडा होता है इसलिए अपने साथ गर्म कपड़े भी साथ में रखें. - यदि आप मानसून में जा रहे हैं तो अपने साथ अतिरिक्त कपड़े और रेन कोट साथ में रखें. - ट्रेक को करते समय आप बीमार भी पड़ सकते हैं या चोट लग सकती है इसलिए अपने साथ फर्स्ट ऐड किट भी रखें. - अपने घूमने के समय में एक दिन अतिरिक्त लेकर चलें जिससे आपको कहीं जाने की जल्दबाजी ना हो.

उत्तराखंड रोडवेज बसों में सफर होगा सुहाना परिवहन विभाग की यात्रियों के लिए यह खास तैयारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 06 जुलाई : उत्तराखंड में प्रतिदिन हजारों यात्री बस में यात्रा करते हैं। यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए परिवहन निगम लगातार बड़े कदम उठाता आया है। और एक बार फिर उत्तराखंड में यात्रियों के लिए रोडवेज बसों में सफर पहले से ज्यादा सुहाना होने वाला हैं। जी हां बस यात्रियों को पहले से ज्यादा बेहतर सुविधा देने के लिए परिवहन विभाग ने रणनीति बनाई है। जिसमें नगर में यात्रियों के सफर को सुहाना बनाने के लिए 150 इलेक्ट्रिक बस ली जाएगी।

बता दें कि उत्तराखंड में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को नेटवर्क बनाने के लिए रोडवेज अपनी बसों में इजाफा करेगा। और साथ ही परिवहन निगम ने भविष्य में हर साल 240 नई बसें खरीदने की योजना बनाई है। जिसमें सीएनजी, एलपीजी और बैटरी से चलने वाले वाहनों को प्रोत्साहित किया जाएगा। और वहीं पुरानी हो चुकी बसों को भी हटाया जाएगा। परिवहन निगम ने

मंगलवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के समक्ष अपनी योजनाओं का विस्तृत ब्योरा रखा।

बसों की कमी को दूर करने के लिए तात्कालिक राहत के लिए पर्वतीय मार्गों के लिए 230 बसें खरीदी जा रही हैं। मैदानी मार्गों के लिए 175 बसें और नगर बस सेवा के लिए 150 इलेक्ट्रिक बस ली जाएगी। भविष्य में हर साल 240 नई बसों को खरीदा जाएगा। वाहन को वीएलटीडी सिस्टम से जोड़ा जाएगा। एक जनवरी 2019 से पहले के वाहनों को इससे जोड़ा जाएगा। साथ ही वाहनों में पैनिक अलर्ट बटन भी लगेगा। तो वहीं स्कूलों में बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। निगरानी वाहनों पर नजर रखने के लिए एनपीआर कैमरों को नेटवर्क पूरे राज्य में फैलाया जाएगा। इसके तहत राज्य की 200 विभिन्न लोकेशन पर एनपीआर कैमरे लगाने की योजना है। वर्तमान में प्रदेश में केवल 10 स्थानों पर ही एनपीआर कैमरे लगे हैं।

भोलेनाथ ने देखा था राम-रावण युद्ध आसान नहीं छोटा कैलाश पहुंचना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 06 जुलाई : उत्तराखंड के नैनीताल के पास एक ऐसा पर्वत स्थित है, जहां भगवान शिव ने रात्रि विश्राम किया था. इस पर्वत को अब छोटा कैलाश के नाम से जाना जाता है. शिव भक्तों की अपार श्रद्धा इस स्थान से जुड़ी हुई है.नैनीताल जिले के भीमताल ब्लॉक में छोटा कैलाश स्थित है। पहाड़ी की चोटी में स्थापित इस मंदिर तक पहुंचने के लिए आपको कई किलोमीटर की खड़ी चढ़ाई से होकर गुजरना पड़ता है. यहां भगवान शिव का मंदिर स्थापित है.

मान्यताओं के अनुसार, इस स्थान पर भगवान शिव ने धूनी रमाई थी. तभी से इस स्थान पर अखंड धूनी जलाई जा रही है. मान्यता है कि यहां स्थित शिवलिंग की पूजा करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह भी कहा जाता है कि भगवान शिव ने इस जगह से ही राम और रावण के युद्ध को देखा था. यह भी मान्यता है कि द्वापर युग में पांडवों ने भी इस जगह रात गुजारी थी. यही वजह है कि यह जगह भगवान शिव के भक्तों

के लिए बेहद खास है.सावन के महीने इस जगह पर भक्तों की काफी भीड़ रहती है. दूर-दूर से भक्त बाबा के दर्शन करने यहां पहुंचते हैं. ऊंची चोटी में स्थित शिव मंदिर से आसपास की चोटियों का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

संक्षिप्त खबरें

रामेश्वरी रावत को सेवानिवृत्ति पर दी भावभीनी विदाई

रुद्रप्रयाग। राजकीय इंटर कॉलेज रामाश्रम लस्या जनपद रुद्रप्रयाग में कार्यरत परिचारिका रामेश्वरी रावत की सेवानिवृत्ति पर विद्यालय परिवार एवं क्षेत्रीय जनता ने विदाई दी। रामेश्वरी रावत 22 वर्ष की सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुई हैं। इस अवसर पर विद्यालय में विदाई समारोह आयोजित किया गया। मौके पर प्रधानाचार्य गजपाल सिंह जगवाण,विनोद सिंह मिंया, एसएस भंडारी, दिनेश सिंह पंवार, लखपत सिंह राणा, रोशन विजल्वाण, कुलदीप बुटोला, गजेन्द्र चन्द्रवाल, मंशाराम मैंदोली, सावित्री पुण्डीर, समुद्रा देवी आदि मौजूद थे।

संगम स्थित सुरंग के पास मलबा आने से आवाजाही बंद

रुद्रप्रयाग।मुख्यालय में हुई भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे पर संगम में स्थित सुरंग के ऊपरी क्षेत्र से मलबा आने के बार यहां आवाजाही बंद हो गई। गनीमत रही कि इस दौरान किसी वाहन की आवाजाही नहीं हुई। एनएच लोनिवि द्वारा सुरंग का मलबा हटा दिया गया है। गुरुवार देर रात से हो रही बारिश के चलते मध्य रात्रि के बाद अचानक संगम स्थित सुरंग के अगले हिस्से की पहाड़ी से भूस्खलन होकर मलबा और बोल्डर हाईवे पर गिर गए। जबकि कुछ मलबा सुरंग के अंदर भी गिरा। इससे सुरंग के अंदर से वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। तिलवाड़ा और केदारनाथ की तरफ जाने और आने वाले वाहनों को जवाड़ी बाईपास से भेजा जा रहा है। यह वैकल्पिक मार्ग पूरी तरह खुला है। वाहनों की जवाड़ी बाईपास से आवाजाही हो रही है। इधर, यात्रा शुरू होने से पहले एनएच लोनिवि द्वारा सुरंग का ट्रीटमेंट शुरू किया गया था किंतु पहली बरसात में ही सुरक्षा कार्य की कलई खुल गई है। हालांकि एनएच लोनिवि द्वारा दोपहर में सुरंग के समीप गिरे मलबे को हटा दिया गया है किंतु वाहनों की आवाजाही अभी बंद है।

बारिश से रुद्रप्रयाग में 15 सड़कें बाधित

रुद्रप्रयाग। गुरुवार रात से हो रही बारिश के चलते जनपद में जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। अलकनंदा और मंदाकिनी का जल स्तर भी बढ़ गया है। हालांकि दोनों नदियां खतरे के निशान से 3 मीटर नीचे बह रही है। वहीं बारिश से जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली 15 सड़कें बंद हो गई है जिनको खोलने का काम जारी है। दो दिनों से जनपद में हो रही बारिश से कई जगहों पर दिक्कतें पेश कर दी है। नगर में मानसून की यह पहली बारिश है जिससे कई जगहों पर भू-स्खलन की घटनाएं भी हुई है। कई जगहों पर सड़कों का पुश्ता, दीवार और सड़क धंसने एवं मलबा आने से आवाजाही बंद हो गई है।

होम वोटिंग के लिए दोबारा रवाना हुई पोलिंग पार्टियां

चमोली। बद्रीनाथ विधानसभा उप चुनाव क्षेत्र में 29 जून को होम वोटिंग के दौरान छूटे हुए 07 मतदाताओं की घर पर वोटिंग कराने के लिए शुक्रवार को सुबह 05 पोलिंग पार्टियों को गोपेश्वर आरओ कार्यालय से रवाना किया गया। रिटर्निंग अधिकारी आरके पांडेय ने बताया कि उप चुनाव में 85 साल से अधिक आयु के 114 वरिष्ठ नागरिक और 27 दिव्यांग मतदाताओं सहित कुल 141 मतदाताओं ने होम वोटिंग के लिए आवेदन किया था। इसके तहत 29 जून को 134 मतदाताओं ने घर पर वोटिंग की। जबकि ग्राम विनगढ़, बमोथ, नीती-गमशाली, गनियाला और गोपेश्वर में 07 मतदाता घर पर नही मिले थे। इन मतदाताओं की होम वोटिंग के लिए 05 जुलाई को दोबारा से 05 पोलिंग पार्टियां उनके घर-घर भेजा गया है।

इस बार बदरीनाथ में रिकार्ड वोटों से होगी जीत दर्ज: रेखा आर्य

चमोली। जोशीमठ में भाजपा ने महिला सम्मेलन का आयोजन कर महिलाओं से उप चुनावों में अधिक से अधिक मतों से भाजपा प्रत्याशी को विजय बनाने की अपील की। सम्मेलन में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि वर्तमान युग मातृ शक्ति का युग है व इस विधानसभा चुनावों में भी महिलाएं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका भाजपा के पक्ष में निभाने जा रही हैं।रेखा आर्या ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 10 वर्ष के स्वर्णिम काल में देश ने हर क्षेत्र में बुलंदियों को छुआ है जिस कारण भारी तादात में अन्य दलों के नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ली है व यह क्रम अभी भी जारी है। कहा कि पिछले 7 वर्षो में बीजेपी सरकार ने उत्तराखंड में विकास की नई इबारतें लिखी हैं व मोदी के विजन से प्रभावित होकर राजेन्द्र भंडारी ने अपनी विधायकी छोड़ भाजपा से नाता जोड़ा है।

पौड़ी में बारिश से 28 सड़के तायात के लिए अवरुद्ध

पौड़ी। शुक्रवार को पौड़ी और आस पास के क्षेत्रों में हुई बारिश के कारण 28 सड़कें यातायात के लिए अवरुद्ध हो गई। बंद सड़कों में चार स्टेट हाईवे और दो मुख्य जिला मार्ग भी शामिल हैं। सड़कों पर जगह जगह मलबा आ गया। सड़कों को खोलने के लिए लोनिवि ने जेसीबी लगाई है। वहीं सतपुली तहसील के देशयूं गांव में मूसलाधार बारिश होने से गांव का पेयजल स्रोत और गांव को जोड़ने वाली रेतपुर- चाई सड़क मलबे से दब गई। शुक्रवार भी रुक-रुक कर बारिश होती रही। बारिश ने जहां आम जनजीवन अस्त-व्स्त रखा, वहीं जिले की दो दर्जन सड़कों पर यातायात बाधित रहा।

उत्तराखंड : कीड़ा जड़ी और गुच्छी मशरूम होगी वन उपज में शामिल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में है भारी डिमांड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़ 06 जुलाई : उत्तराखंड वन विभाग द्वारा उच्च हिमालय क्षेत्र में क्षेत्रों में पाई जाने कीड़ाजड़ी (यारसागुंबा) और गुच्छी मशरूम को वन उपज की श्रेणी में लाने की तैयारी की जा रही है। वन मुख्यालय में हुई बैठक के दौरान इस कार्य को करने का फैसला लिया जा चुका है। जल्द ही इसका प्रस्ताव बनाने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

पहाड़ों में तीन हजार मीटर से अधिक की ऊंचाई पर अप्रैल महीने में बर्फ पिघलने के बाद चमोली पर पिथौरागढ़ जनपद के उच्च हिमालय में लोग हर साल कीड़ाजडी के विदोहन के लिए जाते हैं। कीड़ाजड़ी और गुच्छी मशरूम दोनों ही हिमालय क्षेत्र में पाए जाते हैं। लेकिन अब तक दोनों ही वन उपज की श्रेणियों में नहीं हैं। जिसे वे लोग अच्छे खासे दाम में बेच देते हैं।कीड़ाजड़ी की तरह ही गुच्छी मशरूम की खासी डिमांड होती है। गुच्छी मशरूम भी अच्छे खासे महंगे धामों में बिकता है। वर्ष-2018 में निर्देश दिया गया था कि कीड़ाजड़ी के लिए रवन्ना कटेगा और प्रति सौ ग्राम तक कीड़ाजड़ी के लिए संबंधित व्यक्ति को एक हजार रुपये तक की धन राशि देनी होगी। इसके साथ ही इससे सम्बंधित अन्य सूचना भी रेंजर के पास दर्ज करानी होगी। परन्तु इस आदेश का कोई ज्यादा अनुपालन नहीं किया गया। अब नए सिरे से इस कार्य को करने की कोशिश को शुरू किया गया है।

मुख्य वन संरक्षक वन पंचायत डॉ. पराग मधुकर धकाते ने कहा कि वन उपज में आने के बाद गुच्छी और कीड़ाजड़ी के अनियंत्रित विदोहन को रोकने में मदद मिलेगी साथ ही राजस्व की प्राप्ति भी होगी। कौन इनका विदोहन कर रहा है कहां पर विदोहन किया जा रहा है।

कितनी मात्रा में विदोहन हुआ है समेत अन्य जानकारी भी वन विभाग के पास रहेगी। वन विभाग के अनुसार कीड़ाजड़ी के वन उपज की श्रेणी में आने के बाद से इसका अनियंत्रित विदोहन को रोकने में मदद मिल सकेगी। कीड़ाजड़ी की उपज को लेकर हर

साल दुविधा की स्थिति बनी रहती है, कीड़ाजड़ी के वन उपज में आने के बाद यह समस्या भी समाप्त हो सकेगी। इसके लिए ट्रांजिट फीस भी संबंधित व्यक्ति को देना पड़ेगा, इससे राज्य सरकार को राजस्व भी मिलेगा।प्रमुख वन संरक्षक धनंजय मोहन ने बताया कि वन विभाग द्वारा वन मुख्यालय में एक बैठक की गई थी, बैठक के दौरान कीड़ाजड़ी और गुच्छी मशरूम को वन उपज की श्रेणी में लाने का फैसला किया गया था, अब इसके मिनट्स बने हैं। जल्द ही आगे प्रस्ताव बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

संपादकीय

ढहते पुलों का बिहार

यह बिहार में ही हो सकता है। किसी अन्य राज्य में अपवाद के तौर पर हादसा हो सकता है। बिहार के सारण (छपरा) और सीवान में 24 घंटे के दौरान पांच पुल ध्वस्त हुए हैं। संभवतः लापरवाही, नालायकी और भ्रष्टाचार का यह विश्व कीर्तिमान है। एक पखवाड़े के दौरान 12 पुल ध्वस्त होकर 'मलबा' हुए हैं। यह सिर्फ बिहार में ही हुआ है। इन पुलों के जरिए कितने गांव, कस्बे और मानवीय आबादी जुड़ी होगी। वे सब अधर में लटक गए हैं। उनकी आवाजाही, काम-धंधों पर विराम लग गया है। एक पुल कितने समय में बनता है और उस पर कितने करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं, अचानक वह भुरभुरा कर ढह जाता है, तो कितने संसाधन बर्बाद होते हैं? एक जंगलराज अतीत में था और अब 'सुशासन राज' के ढोल पीटे जाते हैं, जो दरअसल जंगलराज ही है। अब ये 12 पुल कब तक बन सकेंगे और उनके लिए आर्थिक संसाधन कैसे जुटाए जाएंगे, यह सवाल इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि बिहार मौजूदा वित्त वर्ष में केंद्र सरकार की 52,000 करोड़ रुपए से अधिक की अनुदान राशि पर गुजारा कर रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत सत्ता और विपक्ष के सभी बड़े नेता 'विशेष राज्य का दर्जा' दिए जाने का प्रलाप करते रहे हैं। हाल ही में सत्तारूढ़ जनता दल-यू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक राजधानी दिल्ली में हुई थी। उसमें भी यह प्रस्ताव पारित किया गया। चूंकि मोदी सरकार में जद-यू एक महत्वपूर्ण घटक है। सरकार की स्थिरता का एक मजबूत स्तंभ भी है, लेकिन सरकार के अपने नियम-कानून भी होते हैं। 2014 में मोदी सरकार की शुरुआत में ही तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेतली ने बयान दिया था कि 14वें वित्त आयोग की सिफारिशों के बाद ही राज्यों को 'विशेष श्रेणी का दर्जा' देने का युग समाप्त हो गया। पूर्वोत्तर के राज्यों, जम्मू-कश्मीर (अब संघशासित क्षेत्र), हिमाचल और उत्तराखंड सरीखे हिमालयन राज्यों को इस श्रेणी के तहत आर्थिक मदद जारी रहेगी। अब 16वें वित्त आयोग का दौर है। साफ है कि बिहार और आंध्रप्रदेश को 'विशेष श्रेणी के राज्य' का दर्जा दिया जाना तो संभव नहीं है। अलबत्ता उन्हें 'विशेष आर्थिक पैकेज' जरूर दिए जा सकते हैं। आंध्र की सत्तारूढ़ तेलुगूदेशम पार्टी के 16 सांसद भी मोदी सरकार की स्थिरता के आधार हैं। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बीते कल ही प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर विशेष आर्थिक सहायता मांगी है। बहरहाल बिहार के संदर्भ में व्यापक चिंतन-मनन करना चाहिए, क्योंकि उसे बजट के तहत जो राशि आवंटित की जाती रही है, वह भी 'अनखर्च' रहती है। दरअसल बिहार में संस्थानगत क्षमता, आधारभूत ढांचे, बाजार, उद्यमी कौशलता और उपयुक्त औद्योगिक माहौल आदि की कमी रही है, लिहाजा राशियां 'अनखर्च' रहती हैं। वित्त वर्ष 2023 में बिहार में राजस्व खर्च का 51,722 करोड़ रुपए और पूंजी बजट का 24 फीसदी, 14,786 करोड़ रुपए खर्च ही नहीं किए जा सके। वित्त वर्ष 2020, 2021 और 2022 में भी क्रमशः 78,122 करोड़, 75,926 करोड़ और 70,083 करोड़ रुपए 'अनखर्च' ही रहे। ये कोई सामान्य और कम राशियां नहीं हैं। यदि राशि बजट की अवधि के दौरान खर्च नहीं की जाती, तो उसे त्याग देना पड़ता है। यह भी एक किस्म का आत्मसमर्पण होता है। ये राशियां 'विशेष श्रेणी के राज्य' का दर्जा मिलने के बाद जो फंड मिलता है, उनसे भी अधिक हैं।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

इंटर कालेज के छात्रों ने स्वच्छता रैली निकालकर लोगो को जागरूक किया

हरिद्वार। आदर्श बाल सदन इंटर कॉलेज बहादुरपुर जट के छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता अभियान के तहत रैली निकाली। इशिक्षकों और छात्रों ने लोगों को स्वच्छता को लेकर जागरूक किया। ब्लॉक बहादराबाद में संपूर्णता अभियान का शुभारंभ गुरुवार को किया गया था, जो सितंबर तक चलेगा। इसके तहत शुक्रवार को आदर्श बाल सदन इंटर कॉलेज बहादुरपुर जट के छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता रैली निकाली। छात्र-छात्राओं ने स्लोगन और बैनर लेकर लोगों को जागरूकता किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य धर्मेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि स्वच्छता अभियानको जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने सभी से अपने घरों और आसपास स्वच्छता अभियान चलाने का आग्रह किया।

डॉ. चिन्मय पण्ड्या को मिला विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय संबंध शांति पुरस्कार

हरिद्वार। देव संस्कृति विवि के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जनकल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय संबंध (वीआईआर) शांति पुरस्कार दिया गया। इस सम्मान समारोह में स्मृति चिह्न और सम्मान पत्र गायत्री परिवार प्रतिनिधि ने प्राप्त किया। यह समारोह मुंबई के होटल ताज में आयोजित हुआ। डॉ चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के आशीर्वाद से ही सेवाकार्य संभव हो सका है। यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मान उन्हीं विभूति को समर्पित है, जिन्होंने विश्व भर में भारतीय संस्कृति के नवोन्मेष, सांस्कृतिक उत्थान और युवाओं के जागरण के लिए अखिल विश्व गायत्री परिवार की स्थापना की।

हरिराम आर्य इंटर कॉलेज में पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

हरिद्वार। मायापुर के हरिराम आर्य इंटर कॉलेज में पर्यावरण सप्ताह के तहत निबंध प्रतियोगिता कराई गई। प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद शर्मा ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण का महत्व बताया। कहा कि हमारा पर्यावरण सुरक्षित होगा तो हम सुरक्षित होंगे, हमारे आने वाली पीढ़ी सुरक्षित होगी। कहा कि प्राकृतिक आपदाएं पर्यावरण को हानि पहुंचाने से आ रही हैं। निबंध प्रतियोगिता की संयोजिका प्रियंका शर्मा, निधि शर्मा ने छात्र-छात्राओं को अधिक से अधिक पौधरोपण की प्रेरणा दी।

संक्षिप्त खबरें

चोर ने नगर निगम अनुभागों के ताले तोड़े खंगाले रिकार्ड

हरिद्वार। नगर निगम दफ्तर के ताले तोड़कर कम्प्यूटर, टीएफटी और मोबाइल फोन चोरी कर लिया गया। चोर की हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी। इसी परिसर में ऊर्जा निगम कार्यालय के भी ताले तोड़ दिए। नगर निगम परिसर में गुरुवार देररात एक चोर ने दफ्तरों के ताले तोड़ दिए। सीसीटीवी कैमरे में वह जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र में करीब पौने तीन बजे घुसा दिख रहा है। करीब पौन घंटे तक चोर अलमारी और दराजों के लॉक तोड़कर फाइलें खंगालता दिखा। कर्मचारी सुबह कार्यालय पहुंचे तो मौके से कंप्यूटर, एक टीएफटी और मोबाइल गायब मिला। पथ प्रकाश अनुभाग और स्टोर के ताले भी टूटे मिले।

आषाढ़ी अमावस्या पर उमड़ी नारायणी शिला मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़

हरिद्वार। आषाढ़ी अमावस्या पर शुक्रवार को मायापुर के नारायणी शिला मंदिर पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने पितरों की आत्मा शांति के लिए पूजा-अर्चना की। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश भी श्रद्धालु यहां पहुंचे। नारायणी शिला मंदिर के प्रमुख पंडित मनोज शास्त्री ने बताया कि जुलाई में पड़ने वाली अमावस्या को आषाढ़ अमावस्या के नाम से जाना जाता है। आषाढ़ अमावस्या की रात कुछ उपाय करने से घर और आर्थिक स्थिति को सुधारा जा सकता है।

कांवड़ यात्रा से पूर्व सड़को को किया जाए गड्ढा मुक्त करने की मांग

हरिद्वार। महानगर व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुनील सेठी ने डीएम तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों को पत्र भेजकर शहर की सड़कों और हाईवे को कांवड़ यात्रा से पहले गड्ढामुक्त करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि गंगा विहार, सत्यम विहार भूपतवाला में हाईवे साइड की पटरी से लेकर सिंहद्वार पटरी तक नाले की स्लैब गायब है। कुछ जगहों पर नालों की भी यही हालत है। या तो स्लैप टूटे हैं या फिर खुले पड़े हैं। इनमें बारिश का पानी भरने पर गड्ढे नहीं दिखेंगे और कांवड़ियों के गिरने का खतरा रहेगा। इन गड्ढों को जल्द भरवाया जाए।

सतपाल ब्रह्मचारी ने संत समाज और धर्मनगरी का बढ़ाया मान : श्रीमहंत भले गिरि

हरिद्वार। सोनीपत के सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने शुक्रवार को सरबंगी धाम में श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के श्रीमहंत भल्ले गिरि महाराज से आशीर्वाद लिया। श्रीमहंत ने फूलमालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया। साथ ही संत समाज और देश की जनता के हित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। श्रीमहंत भल्ले गिरि महाराज ने कहा कि सतपाल ब्रह्मचारी ने सोनीपत की लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर समूचे संत समाज और हरिद्वार का मान बढ़ाया है। सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि सोनीपत लोकसभा क्षेत्र के साथ ही हरिद्वार के हित में भी जो कार्य होंगे, उन्हें करवाने के लिए वह सदैव तैयार रहेंगे। जन्मभूमि और कर्मभूमि दोनों ही उनके लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए दोनों ही जगह के लिए वह हमेशा कार्य करते रहेंगे।

शिवालिक नगर में बिजली कटौती से 40 हजार की आबादी होंगी परेशान

हरिद्वार। शिवालिक नगर क्षेत्र में रविवार को ऊर्जा निगम रविवार को पांच घंटे की बिजली की कटौती करेगा। मरम्मत का के लिए उप संस्थान शिवालिक नगर को बंद किया जाएगा।रविवार को शिवालिक नगर क्षेत्र में पांच घंटे बिजली की आपूर्ति ठप रहेगी। मरम्मत काम के लिए ऊर्जा निगम ने उपसंस्थान शिवालिक नगर को सुबह 10 बजे बंद करेगा। इस दौरान विद्युत लाइनों के अनुरक्षण और पैनलों को चार्ज करने का काम किया गया। इस दौरान रामधाम फीडर, ब्रह्मपुरी फीडर, शिवालिक नगर प्रथम फीडर, शिवालिक नगर द्वितीय फीडर, एपीआर फीडर, स्नोपैक फीडर और बॉटलिंग प्लांट फीडर पर बिजली की सप्लाई बंद रहेगी।

गंगोत्री धाम में 160 करोड़ रुपए में बनेगी टनल पार्किंग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी 06 जुलाई : गंगोत्री धाम में टनल पार्किंग के निर्माण के लिए प्रारंभिक तौर पर प्रस्तावित एलाइनमेंट को जिला प्रशासन के द्वारा शासन के अनुमोदन हेतु भेजे जाने का निर्णय लिया गया है। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक गंगोत्री धाम के प्रवेश द्वार के निकट प्रस्तावित इस डबल ट्यूब पार्किंग की अनुमानित लागत रू. 160 करोड़ तक हो सकती है। इसी तरह यमुनोत्री धाम के अंतिम पड़ाव जानकीचट्टी या उसके निकटवर्ती क्षेत्र में भी टनल पार्किंग की बनाने की संभावना तलाशी जा रही है, जिसके लिए वृहस्पतिवार 4 जुलाई को एनएचआईडीसीएल और प्रशासन के अधिकारियों के द्वारा स्थलीय निरीक्षण किए जाने का कार्यक्रम तय किया गया है।

जिले में विभिन्न स्थानों पर रू. 40 करोड़ 59 लाख लागत की ग्यारह पार्किंग परियोजनाएं स्वीकृत हैं, जिनमें से चार योजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं और छः पार्किंग का काम प्रगति पर है। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने कार्यदायी संस्थाओं को पार्किंग परियोजनाओं पर तेजी से काम करने के निर्देश देते हुए अपर जिलाधिकारी एवं जिला विकास प्राधिकरण के सचिव को इन सभी परियोजनाओं का तुरंत स्थलीय निरीक्षण करने को कहा है।

जिले में पार्किंग परियोजनाओं के संबंध में जिला मुख्यालय पर संबंधित विभागों व विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं की बैठक लेते हुए जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और प्रस्तावित योजनाओं के बारे में विचार-विमर्श किया। जिलाधिकारी ने कहा कि चारधाम यात्रा के दृष्टिगत एवं स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिए पार्किंग सुविधाओं का विस्तार किया जाना शासन की प्राथमिकताओं में सम्मिलित है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम का मास्टर प्लान तैयार कर इन धामों में बेहतर अवस्थापना सुविधाओं का निर्माण किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जिसे देखते हुए पार्किंग की निर्माणाधीन परियोजनाओं का जल्दी पूरा करने के साथ ही प्रस्तावित योजनाओं से संबंधित सभी औपचारिकताओं को तुरंत पूरा कर अपेक्षित स्वीकृति यथाशीघ्र प्राप्त करने का प्रयास किया जाय। जिलाधिकारी ने बड़कोट में निर्माधीन पार्किंग का अवशेष काम इसी माह संपन्न करने के साथ ही अन्य स्थानों की योजनाओं को समय से पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माणाधीन योजनाओं की अवशेष धनराशि अविलंब जारी कर दी जाएगी। जिलाधिकारी ने जिला मुख्यालय सहित अन्य स्थानों व बड़े कार्यालय परिसरों के आस-पास पॉकेट पार्किंग विकसित करने के प्रस्ताव तैयार करने के संबंध मेंभी हिदायत दी।बैठक में गंगोत्री धाम में प्रस्तावित टनल पार्किंग के लिए एनएचआईडीसीएल के द्वारा प्रारंभिक सर्वेक्षण के उपरांत दो वैकल्पिक एलाइनमेंट का प्रस्तुतिकरण किया गया। विशेषज्ञों के परामर्श पर बेहतर विकल्प वाले एलाइनमेंट पर बैठक में सहमति व्यक्त करते हुए इसे शासन के अनुमोदन हेतु भेजे जाने का निश्चय किय गया। एनएचआईडीसीएल के टनल विशेषज्ञों ने बताया कि गत मई माह में जिलाधिकारी के साथ किए गए स्थलीय सर्वेक्षण में हुए विचार-विमर्श के अनुसार गंगोत्री धाम के प्रवेश द्वार के निकट प्रस्तावित डबल ट्यूब की इस टनल की लंबाई 263 मीटर होगी और प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक इस पर लगभग रू. 160 करोड़ तक की लागत आ सकती है। जिलाधिकारी ने एनएचआईडीसीएल तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों को यमुनोत्री क्षेत्र में भी टनल पार्किंग के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित कर प्रस्ताव तैयार किए जाने के निर्देश दिए। यह तय किया गया कि वृहस्पतिवार 4 जुलाई को एनएचआईडीसीएल के अभियंताओं के साथ ही अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी एवं जिला विकास प्राधिकरण के सचिव जानकीचट्टी क्षेत्र का दौरा कर टनल पार्किंग के लिए उपयुक्त स्थान तलाशेंगे।बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अंतर्गत जिले में चार पार्किंग योजनाओं के लिए रू. 1582.6 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है। गंगोत्री में रू. 185.08 लाख तथा जानकीचट्टी में रू. 468.20 लाख की लागत से पार्किंग का निर्माण पूरा कर लिया गया है। उत्तरकाशी में निर्माणाधीन बहुमंजिला पार्किंग का कार्य अंतिम चरण में है। बड़कोट में मुख्य निर्माण कार्य पूरे कर लिए गए हैं और बाकी काम प्रगति पर हैं। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री घोषणा के तहत उत्तरकाशी में लीसा डिपो में पार्किंग निर्माण के लिए भी अविलंब डीपीआर तैयार कर शासन को स्वीकृति हेतु भेजने के निर्देश दिए। जिला विकास प्राधिकरण के अधीन भी 6 पार्किंग योजनाएं स्वीकृत हैं। जिनमें से गंगोत्री का कार्य पूरा हो चुका है। जोशियाड़ा, बंदरकोट, नौगांव, सांकरी व मुंगरा-नौगांव में भी कार्य प्रगति पर है। रू. 2243.66 लाख की लागत के इन कार्यों के लिए रू. 914.43 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है।

दिल्ली से देहरादून आने वालों के लिए खुशखबरी, टोल फ्री होगा लोनी बॉर्डर तक सफर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 06 जुलाई : दिल्ली से देहरादून जाने वालों के लिए अच्छी खबर है। 30 जुलाई से पहले दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे खोलने की तैयारी कर रही है। पहले चरण के 32 किमी के दो स्ट्रेच अक्षरधाम से लेकर बागपत के खेकड़ा तक तैयार हो चुका है। भरे हुए ट्रक को खड़ा करके लोड टेस्ट शुरु कर दिया है। लोड टेस्ट की रिपोर्ट आने के बाद इस एक्सप्रेस वे को खोला जाएगा। इस एक्सप्रेस वे के खुलने के बाद से दिल्ली से गाजियाबाद होते तत्काल बागपत तक जाने की सुविधा मिलेगी। इस एक्सप्रेसवे के बनने के बाद दिल्ली से देहरादून जाना आसान हो जाएगा।

अक्षरधाम से विकास मार्ग, आईएसबीटी, कश्मीरी गेट लिंक रोड और सिग्नेचर ब्रिज के रास्ते सीधे एक्सप्रेस वे पर आना जाना लोग कर सकेंगे। इससे प्रतिदिन एक से डेढ़ लाख वाहनों का दबाव कम होगा। NHAI के अधिकारियों की मानें तो अभी केवल पहले चरण के दो स्ट्रेच को ही खोला जाएगा, लेकिन नवंबर से दिसंबर के बीच में देहरादून तक इसे बनाकर तैयार कर दिया जाएगा। दिल्ली से देहरादून का सफर ढाई घंटे के भीतर तय हो जाएगा।जितना सफर उतना देना होगा टोल

NHAI ने इस पर क्लोज टोलिंग सिस्टम का अप्रूवल दिया है। इसमें वाहन जितना सफर करेंगे, उतना ही टोल देना पड़ेगा, जबकि ओपन टोलिंग में एक तरफ से एंट्री करने के बाद पूरे स्ट्रेच का टोल देना पड़ता था। इस सिस्टम से पब्लिक को बहुत अधिक राहत मिलेगी।

भट्टा फॉल ने मसूरी का बिठाया भट्टा झरने का पानी दुकानों में घुसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 06 जुलाई : जैसे ही बारिश का मौसम आता है, तो सबसे पहले तबाही उत्तराखंड और हिमाचल में ही देखने को मिलती है। और दिखे भी क्यों ना ये दो राज्य भारत के टॉप माउंटेन स्टेटस में जो आते हैं। और जब मानसून के मौसम में बारिश आती है, तो यहां का हाल सबसे ज्यादा बुरा रहता है। बता दें, उत्तराखंड के मसूरी में तेज बारिश ने झरनों का बहाव तेज कर दिया है जिस वजह से वहां का पानी दुकानों में घुस रहा है।

जी हां, हम बात कर रहे हैं यहां के भट्टाफॉल की जहां के पानी ने अपना रौद्र रूप ले लिया है, बारिश के कारण ये झरना उफान पर है। वहीं मौसम विज्ञान ने कुमाऊं के कुछ जिलों में भारी बारिश का रेड और गढ़वाल में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

अगर आप मसूरी जाने का प्लान बना रहे हैं, तो पहले इस झरने के बारे में जान लें, ये वॉटरफॉल गर्मी के मौसम में यकीनन घूमने लायक है। ये झरना ना सिर्फ घूमने फिरने वालों के लिए है, बल्कि लोकल लोगों के लिए भी पिकनिक मनाने की एक बेहतरीन जगह है। साल भर यहां टूरिस्टों का तांता लगा रहता है, जो खूबसूरत नजारों को देखने और पानी में मस्ती करने के लिए आते हैं।

भट्टा फॉल तक पहुंचने के लिए आपको लगभग 500 मीटर की पैदल यात्रा करनी होगी। लेकिन, एडवेंचर के शौकीन लोग नीचे से सीधे झरने तक ट्रैकिंग कर सकते हैं। ये फैमिली ट्रिप के लिए भी बेहतरीन जगह है, यहां बच्चों को भी मजेदार चीजें मिलेंगी। यहां 30 फीट की ऊंचाई से पानी गिरता है और नीचे एक कुंड बनाता है। भले ही भट्टा फॉल को मसूरी का सबसे बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट माना जाता हो, फिर भी ये अभी तक पूरी तरह से कॉमर्शियल नहीं हुआ है। इस वजह से ये आज भी प्राकृतिक और खूबसूरत बना हुआ है।

नीचे का कुंड नहाने और तैरने के शौकीनों के लिए एकदम सही है। थोड़ी दूरी पर बच्चों के लिए एक छोटा सा पार्क बना हुआ है। यहां झूले और खिलौने हैं जहां बच्चे मस्ती कर सकते हैं। साथ ही बाहर की तरफ कुछ छोटे-छोटे खाने के ठिकाने हैं, यहां घूमने आने वाले लोग थोड़ा रेस्ट कर सकते हैं और एनर्जी रिचार्ज कर सकते हैं।

बारिश से 15 सड़कें बंद, ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ी

देहरादून। बारिश से मुश्किलें बढ़ती जा रही है। ग्रामीण सड़कों के बंद होने का सिलसिला जारी है। हालांकि, सड़कों को खोलने के लिए मशीनें लगी हुई, लेकिन बार-बार बारिश के कारण जब तक एक सड़क खुलती है, दूसरी बंद हो जाती है। जिले में हरिपुर-इच्छाड़ी-कवानू मोटरमार्ग तीन जगहों पर बंद है। कालींगाड़-सरोना, मौलधार-सेरकी-सिल्ला, मालदेवता-सेरकी-सिल्ला, सहस्त्रधारा-चामासारी, हयोटगरी-केतरी, सिल्लीखड्ड-कुनैन मोटरमार्ग भी बंद है। जिस कारण ग्रामीणों को आवाजाही में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीण पैदल आवाजाही करने को मजबूर हैं। जिला आपदा कंट्रोल रूम के अनुसार सभी सड़कों को खोलने का काम चल रहा है।

करंट से झुलसे बिजली कर्मचारी की हालत में सुधार

देहरादून। बल्लुपुर में सिनर्जी अस्पताल के बाहर शटडाउन लेकर 11 केवी लाइन के फॉल्ट को ठीक करने के दौरान करंट से झुलसे बिजली कर्मी आशीष कुमार की हालत सुधार आया है। वसंत विहार बिजलीघर के एसडीओ विनय कुमार ने इंदेश अस्पताल में जाकर डॉक्टरों से बिजली कर्मी के इलाज की जानकारी प्राप्त की। विनय कुमार ने बताया कि फॉल्ट ठीक करते हुए जनरेटर का बैक करंट आने से संभवतः हादसा हुआ। चूंकि कौलागढ़, गोविंदगढ़ या ऊर्जा निगम के किसी बिजलीघर से शटडाउन वापस नहीं किया गया था। 11 केवी लाइन पर काम करने के दौरान आशीष पोल पर चढ़ा हुआ था और उसे ओएनजीसी के दमकल कर्मियों ने सीढ़ी लगाकर नीचे उतारा था। इस हादसे में आशीष के हाथ, पीठ, पैर मामूली रुप से जल गए हैं। डॉक्टरी रिपोर्ट में उसे दो फीसदी जला हुआ बताया गया है। शुक्रवार को उसका ईसीजी, एक्सरे, ब्लड टेस्ट कराया गया। जली हुई स्किन को इन्फेक्शन से बचाने के लिए बर्न ट्रीटमेंट दिया जा रहा है। हालांकि वह पूरी तरह होश में है और परिजनों से बातें कर रहा है। एसडीओ विनय कुमार के मुताबिक हादसे की जांच विद्युत निरीक्षक द्वारा की जाएगी।